तापमान
अधिकतम 46.0 डिग्री
न्यूनतम 26.6 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 27 मई 2024

11 शहर की सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे तेल के टैंकर, रविवार को बुजुर्ग की लील ली जान

12 इस वर्ष गर्मी में झुलसाने लगा नौतपा, गत वर्ष नौ दिन था शीतलता का अहसास

HOLY CHILD PUBLIC SCHOOL
(Co-Ed. English Medium School Affiliated to CBSE, Affiliation No. 530071)

45 YEARS OF COMMITMENT, DETERMINATION & SUCCESS

100% RESULT

OUTSTANDING CBSE GRADE XII RESULTS FOR ACADEMIC SESSION 2023-24

STREAM TOPPERS

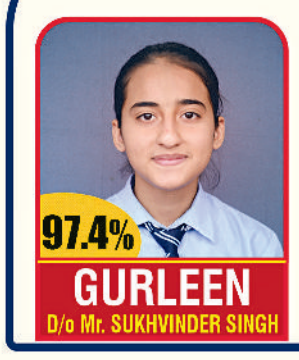
97.4% GURLEEN D/o Mr. SUKHVINDER SINGH

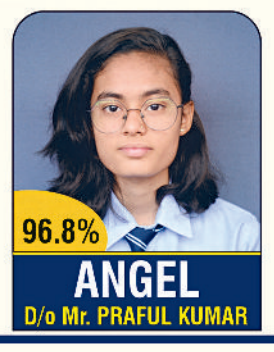
96.8% ANGEL D/o Mr. PRAFUL KUMAR

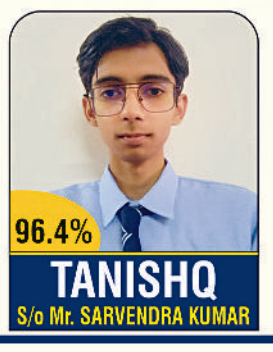
96.4% TANISHQ S/o Mr. SARVENDRA KUMAR

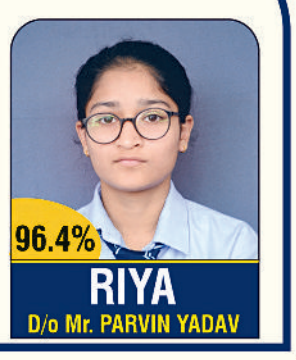
96.4% RIYA D/o Mr. PARVIN YADAV

IIT JEE MAINS 2023-24

Distt. Topper 99.99 %tile AIR 276

TUSHAR

Distt. Topper 99.87 %tile

TANISHQ

KRISH 98.6%tile

VISHWA 97.86%tile

GURMEET 97.56%tile

TANISHA 96.87%tile

MANAV 96.0%tile

KETAN 95.49%tile

HARSH 94.1%tile

LAKSHAY 93.6%tile

KRISH 93.6%tile

NIKHIL 93.51%tile

LAKSHAY 92.9%tile

PRATEEK 92.86%tile

ISHIKA 92.2%tile

ARCHI 90.33%tile

KOMAL 89.44%tile

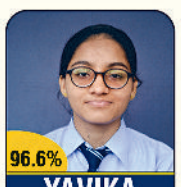
96.6% YAVIKA D/o Mr. SUNIL Kr.

96.0% SNEHA D/o Mr. PAWAN Kr.

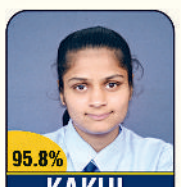
95.8% KAKUL D/o Mr. PARDEEP Kr.

95.8% YOGITA D/o Mr. OMDUTT

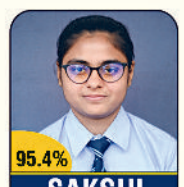
95.4% SAKSHI D/o Mr. BHUPENDER

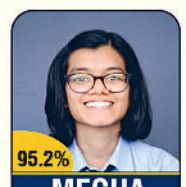
95.2% MEGHA D/o Mr. HIMANSHU

94.8% SANCHITA D/o Mr. RAKESH Kr.

94.8% SHAGUN D/o Mr. MADAN GOPAL

94.2% SHANTANU D/o Mr. SATPAL

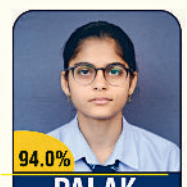
94.0% PALAK D/o Mr. SANJEEV Kr.

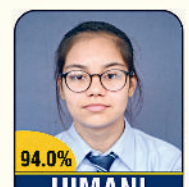
94.0% HIMANI D/o Mr. HEMANT Kr.

94.0% ALYSSA D/o Mr. DEEPAK

93.8% LAKSHAY S/o Mr. AJIT SINGH

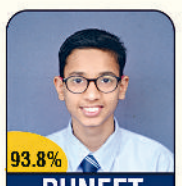
93.8% PUNEET S/o Mr. AMAR NATH

93.6% ANAMIKA D/o Mr. RAJESH

93.4% MANAV S/o Mr. VIKAS

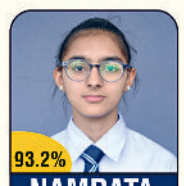
93.2% NAMRATA D/o Mr. LALIT

93.0% SNEHA D/o Mr. SACHIN Kr.

93.0% KHUSHI D/o Mr. SANJEEV

92.8% AMAN S/o Mr. RAJENDER

92.8% PREM S/o Mr. VINOD Kr.

92.6% TANNU D/o Mr. SANJAY Kr.

92.4% BHASKAR S/o Mr. BRAJESH

92.4% KRISH S/o Mr. ANIL Kr.

92.4% HARSH VARDHAN S/o Mr. PARVEEN Kr.

91.8% DIPANSHU S/o Mr. PARVEEN Kr.

91.4% PURVA D/o Mr. VIKAS

91.0% KANAN D/o Mr. SUNIL Kr.

90.8% ARYAN S/o Mr. MUKESH Kr.

90.6% KAMLESH D/o Mr. HIRA LAL

90.4% SHIVANGI D/o Mr. AJAY Kr.

90.4% RUDHRANSHI D/o Mr. SHARAD

90.4% SRISHTI D/o Mr. HITESH

90.2% BHAVYA D/o Mr. RAVI Kr.

90.2% VANSHIKA D/o Mr. RAMESH Kr.

90.0% PAYAL D/o Mr. PARVINDER

90.0% MONA D/o Mr. PARSHANT

Total Appeared: 246 95% and Above: 12 90% and Above: 41 75% and Above: 138 First Division: 227

Subject wise Top Scores

Accounts: 100 Pol. Sci.: 100 Painting: 100 English: 99 Biology: 99 Geography: 99 Chemistry: 98 Maths: 98 Economics: 98 Music: 98

Com. Sci.: 98 P. Education: 98 B. Studies: 97 History: 97 Psychology: 97 Physics: 96 Legal Std.: 95 App. Maths: 91

OUTSTANDING CBSE GRADE X RESULTS FOR ACADEMIC SESSION 2023-24

98.8% KRISH S/o Mr. RAJEEV Kr.

98.4% PRIYANSHI D/o Mr. PARDEEP Kr.

97.2% VIDHI D/o Mr. MANOJ Kr.

97.0% TANYA D/o Mr. LALIT Kr.

97.0% YASH S/o Mr. BABULAL

97.0% SHAURYA S/o Mr. ROHIT

96.8% YUVRAJ S/o Mr. PRAVEEN Kr.

96.4% SHIVAM S/o Mr. UMED SINGH

96.4% NAVYA D/o Mr. SURAJ

96.4% SHIVANI D/o Mr. HEMANT Kr.

96.2% ANSHIKA D/o Mr. SANDEEP Kr.

96.2% MANUJ S/o Mr. DHARAMVIR

96.0% BHAVAY S/o Mr. NAVEEN Kr.

95.6% KARISHMA D/o Mr. VIKRAM

95.6% ADITYA S/o Mr. KARMVEER

95.4% HIMANSHI D/o Mr. SUDHIR

95.2% ASTHA D/o Mr. MANOJ Kr.

95.0% YOGITA D/o Mr. ANOOP

94.8% MOHIT S/o Mr. RAJPAL

94.8% PURNIMA D/o Mr. DEEPAK

94.6% JIYA D/o Mr. RAJVIR

94.6% MADHAV S/o Mr. AMIT Kr.

94.4% TANISHQ S/o Mr. ASHISH

94.0% NAMAN S/o Mr. SANTOSH Kr.

94.0% LAKSHYA S/o Mr. ASHOK Kr.

93.8% NANCY D/o Mr. SATISH

93.8% MAN MAYUR S/o Mr. MANISH

93.6% MEDHA D/o Mr. JAI PRAKASH

93.6% KAMYA D/o Mr. SUDHIR

92.8% NANCY D/o Mr. PAWAN

92.8% SAKSHI D/o Mr. SATYANARAIN

92.8% DHAIRYA D/o Mr. VISHNU

92.6% ABHIJEET S/o Mr. MALASIDDAPPA

92.0% KARTIK S/o Mr. ANAND

91.6% KARTIK S/o Mr. JITENDER

91.4% TANISH S/o Mr. CHANDER

91.2% TANISHKA D/o Mr. SANDEEP

91.0% ALISHA D/o Mr. SANJAY Kr.

91.0% ISHANT S/o Mr. KAILASH Kr.

90.8% MANASVI D/o Mr. MANOJ Kr.

90.8% GAUTAM S/o Mr. RAMESH Kr.

90.6% TANMAY S/o Mr. RADHEY SHYAM

90.6% NAKSHIT S/o Mr. PAWAN Kr.

90.4% DINESH S/o Mr. ANIL Kr.

90.2% VANSH S/o Mr. DEV RAJ

90.2% DAKSH S/o Mr. PARIKSHIT

90.0% TANYA D/o Mr. ATUL

90.0% PRAYAGNI D/o Mr.SANTOSH

90.0% PRAYAS S/o Mr. MANOJ

90.0% HIMANSHU S/o Mr. VIJAY PAL

Total Appeared: 219 95% and above: 22 90% and above: 50 75% and above: 136 First Division: 192

Subject wise Top Scores

Science: 100 Maths: 100 I.T.: 100 Painting: 100 S. Sci.: 98 Hindi: 98 Sanskrit: 98 English: 96

LIMITED SEATS ARE AVAILABLE IN CLASS XI

HELPLINE NUMBERS ☎ 8295018719 ☎ 8398876937

DELHI ROAD, REWARI, HARYANA

www.hcpsrewari.com www.facebook.com/HCPSRWR

पत्ते का पंखा बनाकर खूब घूमाते थे बच्चे

जब तेज हवा चलती थी, तो बच्चे बरगद का बड़ा पत्ता तोड़ लेते थे। उसे काटकर उसकी दो पंख बना लेते थे। उसमें सूल या कांटा डालकर हाथ में पकड़ लेते थे। वह पंखा तेज हवा में जबरदस्त तरीके से घूमता था। बच्चे काफी देर तक उस पंखे को चलाते थे और उसका आनंद लेते थे। लेकिन आजकल का बचपन इतने तनाव में है कि उसे बाजार से खरीदे गए कीमती खिलौने भी वह खुशी नहीं दे पाते, जो फ्री के खिलौने उस समय देते थे।

हरियाणा में खत्म हो गए गांव के गोरे जो बचे हैं वे भी पड़े रहते हैं सुनसान

गांव में जब बारात आती है, तो उसका स्वागत गांव के गोरे में ही किया जाता है। बाहर से आने वाले किसी नेताओं और मेहमानों को लेने के लिए वहीं पर ग्रामीण वहीं पर पहुंचते हैं। पशुओं को तालाब में पानी पिलाने के बाद पाली अपने पशुओं को गांव के गोरे में ही कई देर तक खड़े रखते हैं, ताकि पशुओं को धूप और हवा अच्छी तरह लग सके। कई बार पशु गोरे में बैठकर आराम करते हैं। कई बार बाजरा, चना और अन्य तरह की फसलों को लाकर किसान गांव के गोरे में ही रख लेते हैं और वहीं पर अनाज को भूसे से अलग किया जाता है।

विडंबना | राज कुमार नरवाल

गांव में गोरा एक महत्वपूर्ण स्थान होता है। जो गांव में चलने वाली ज्यादातर गतिविधियों का केंद्र होता है। जो लोग गांव में जन्मे हैं और गांव के गोरे में खेलकूद कर बड़े हुए हैं, वे ही गोरे का असली महत्व समझ सकते हैं। क्योंकि गांव का गोरा गांव में समय समय पर चलने वाले क्रियाकलापों का गवाह होता है। यहां समय समय पर मनोरंजन से लेकर भजन कीर्तन और भंडारे के अलावा कई तरह के कार्यक्रम चलते रहते हैं। हमारे सभी बुजुर्ग गांवों के इन गोरों में ही खेलकूद कर बड़े हुए हैं। अब आपको यह बता दें कि गोरा क्या होता है। गांव की बस्ती में प्रवेश करने से पहले जो खाली जगह पड़ी होती है, उसे गांव का गोरा कहा जाता है। इस गोरे में गांव के बच्चे खेलते कूदते हैं। गांव में बाहर से आकर बंदर, भालू और अन्य प्रकार के खेल तमाशे दिखाने वाले लोग भी इसी जगह पर आकर अपने खेल दिखाते हैं। ये गोरे सांग, भजन, सत्संग, भंडारे और अन्य धार्मिक, सामाजिक और राजनैतिक क्रियाकलापों का केंद्र होते हैं। कुश्ती, कबड्डी व अन्य प्रकार के खेल भी गांव के गोरे में ही होते हैं। गांव में जब बारात आती है, तो उसका स्वागत गांव के गोरे में ही किया जाता है। बाहर से गांव में आने वाले किसी नेताओं और मेहमानों को लेने के लिए वहीं पर ग्रामीण वहीं पर पहुंचते हैं। पशुओं को तालाब में पानी पिलाने के बाद पाली अपने पशुओं को गांव के गोरे में ही कई देर तक खड़े रखते हैं, ताकि पशुओं को धूप और हवा अच्छी तरह लग सके। कई बार पशु गोरे में बैठकर आराम करते हैं। कई बार बाजरा, चना और अन्य तरह की फसलों को लाकर किसान गांव के गोरे में ही रख लेते हैं और वहीं पर अनाज को भूसे से अलग किया जाता है। घरों से निकलकर गांव के लोग गांव के गोरे में ही अपना टाइम पास करते हैं। गांव के गोरे में पेड़ भी होते हैं और कच्चा ग्राउंड भी होता है। बैलगाड़ी, ट्रैक्टर, ट्रॉली और ट्रक जैसे बड़े वाहन भी गांव के गोरे में ही खड़े किए जाते हैं। गांव के गोरे के पास ही ज्यादातर गांवों में तालाब भी होते हैं। गोरे के साथ में ही गांव का मंदिर, सैयद स्थल, चौगानण माता व बसंती माता आदि के पूजा स्थल होते हैं।

अब बच्चे नहीं जानते गांव का गोरा, खेलते हैं वीडियो गेम

जब टीवी नहीं होते थे, तो बच्चों को खेलने का ज्यादा मौका मिलता था। अब समय मिलते ही या तो बच्चे मोबाइल में गेम्स खेलने लग जाते हैं या फिर टीवी पर कार्टून देखने में मशगुल हो जाते हैं। अब बच्चों को शारीरिक खेलों की बजाए मोबाइल गेम्स कंडी क्रश सगा, सब वे सर्फ, रेसिंग फेवर, रेसिंग मोटो, डॉक्टर पार्किंग, डॉक्टर ड्राइविंग, हिल क्लाइम्बिंग व स्पाइडर मैन जैसे खेल उनकी पहली पसंद हैं। बच्चों को अब टीवी पर निंजा हथोड़ी, डोरेमोन, छोटा भीम, पोकीमोन, मोटू पतलू, सिन चैन, प्रिंस ऑफ बाली व शिवा आदि देखने से ही फुर्सत नहीं मिलती। पहले जो खेल होते थे, उनसे बच्चों का शारीरिक विकास होता था। पसीना आता था और खूब भूख लगती थी। बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास दोनों होते थे। घी, दूध और दही आसानी से हजम होते थे। अब बच्चे दूध पीना पसंद नहीं करते जो बहुत ही गलत है। बच्चे बाजारू व तली हुई चीजों को पसंद करते हैं। जिससे उनमें चिड़चिड़ापन बढ़ा है। बच्चों की खुशी मानो गायब ही हो गई है।

अब जनसंख्या बढ़ने की वजह से और शामलात भूमि पर अवैध कब्जे हो जाने से अधिकतर गांवों में ये गोरे खत्म हो गए हैं। लेकिन बहुत से गांवों में आज भी गोरे हैं। लेकिन अब इन गोरों में पहले की तरह गतिविधियां नहीं चलती। ज्यादातर गांवों में अब ये गोरे सुनसान पड़े रहते हैं। आधुनिक जीवन शैली की वजह से लोग अब ज्यादातर समय घरों में ही बिताते हैं। क्योंकि घरों में अब गर्मी सर्दी से बचाव के लिए एसी, कूलर, हीटर व अन्य कई तरह के बिजली आधारित उपकरण आ गए हैं। टाइम पास करने के लिए अब घरों में टेलिविजन, मोबाइल फोन, इंटरनेट और वाइफाई जैसी सुविधाएं हो गई हैं। इसके अलावा गांव के लोग भी खेती और पशुपालन जैसे काम धंधों को छोड़ने लगे हैं।

अब बच्चे न कागज की कश्ती बनाते हैं और न मिट्टी के घर

अब बच्चे न कागज की कश्ती बनाते हैं और न ही बारिश में फिसलन बनाकर फिसलते हैं। तालाबों के किनारे बच्चे पैर पर मिट्टी के घर और मोंढ बनाते थे। पोलीथीन लेकर तालाब से पानी की ढुलाई करते थे। उस पानी को मोंढ में डाला जाता था। फिर मोंढ व मिट्टी के घर को बर्बाद करके घर चले जाते थे। पहले तालाबों, बावड़ियों और जलाश्यों में बच्चे खूब उछल कूद करते थे।

पहले गांवों में जल घर नहीं होते थे, तो पानी की सप्लाई भी घरों में नहीं आती थी। अधिकतर बच्चे सुबह-सुबह तालाब में नहाकर ही स्कूल जाते थे। खेल खेल में तैरना भी सीख जाते थे। बड़े भाई व बहन अपने छोटे भाई बहनों को तालाबों में तैरना सिखाते थे। गिंडी-टोरा, डंडा सुलिया, गुल्ली-डंडा, खुलिया, कंच्चे, लुका छिपी, कोकला चपाकी, पीठू, घोड़ी कूद, गरड़ा चलाने, तोता उड़-मैना उड़, पकड़म-पकड़ाई, दिल्ली दिखाने, चिड़ा-चिड़ी, गुड्डा व गुड्डियां के खेल अब पुराने जमाने की बात हो गई हैं।

पहले बिना खर्च के होते थे खेल

पहले बिना खर्च के खेल होते थे। आज किसी भी खेल को खेलने के लिए पहले उसी तरह के उपकरण बाजार से खरीदने पड़ते हैं। जिन पर अच्छा खास खर्च होता है। लेकिन पहले ऐसा नहीं होता था। गिंडी (गेंद) बच्चे कपड़े की कतरनों से बनाते थे और उन्हें ऊपर से मजबूती के साथ गूंथ लेते थे। टोरा, डंडा (बैट) आदि पेड़ों से काट लेते थे। गुल्ली भी लकड़ी की होती थी, जिसे गंडासी के साथ काटकर बनाया जाता था। कोकला चपाकी खेल में बच्चे गोल घेरा बनाकर बैठ जाते थे। किसी एक बच्चे का खेस या शॉल पर बट चढ़ाया जाता था। शॉल, दुप्पट्टा, या खेस के दोनों पल्ले एक दूसरे पर लिपट जाती थी। जिससे वह कोरड़ा टाइप हो जाता था। उस कोरड़े को घुमाते हुए एक बच्चा उन घेरे में बैठे सब बच्चों के पीछे-पीछे घूमता था। जो भी पीछे मूड़कर देखता वह कोरड़ा उसको मारा जाता था। कहा जाता था कि कोकला चपाकी सम्मत आई रे, आगे पीछे देखणिए की शामत आई रे।।

गांव के गोरुए में अब नहीं आते खेल तमाशे दिखाने वाले

हरियाणा के गांव देहात में अब वो पहले वाले खेल तमाशे नहीं रहे। बच्चों के ऐसे अनेक खेल थे, जो अब बिल्कुल बंद हो गए हैं। गांव में बाहर से खेल तमाशे दिखाने के लिए जो लोग आते थे, अब उन्होंने भी गांवों में आना बंद कर दिया है। गांव के गोरे में जादूगर द्वारा दिखाया जाने वाला जादू का खेल बच्चों को काफी खुशी देता था। बंदर बंदरिया का तमाशा देखकर बच्चे बहुत खुश होते थे। रीछ की उछलकूद देखकर भी बच्चे रोमांचित होते थे। गांव में एक व्यक्ति एक बड़ा सा बॉक्स लेकर गांव की गलियों में पहुंचता था। जो गांव में घूम घूमकर आवाज लगाता था बारहमण की धोबण देखो, बम्बई देखो, दिल्ली देखो, कलकत्ता देखो। बच्चे भागकर उस मशीन के पास जाते थे। बच्चे पैसे या अनाज देकर उस मशीन में महानगरों की सुंदर तस्वीरें देखते थे। अब शहरों और गांवों में धमाचौकड़ी करते बच्चों की टोलियां दिखाई नहीं देती। लेकिन तीन चार दशक सुबह-शाम बच्चों का शोरगुल सुनाई देता था। बच्चे टोलियां बनाकर खेलते थे। खिलखिलाता हुआ वह बचपन आज भी बुजुर्गों की नजरों के सामने घूम रहा है। वर्तमान समय की बात की जाए तो आज बच्चों के पास खेलने का समय ही नहीं है। बचपन भारी भरकम बस्तों के बोझ के तले दब गया है। बच्चों के चेहरों पर आज वह खुशी दिखाई नहीं देती, जो तीन दशक पहले तक होती थी। आज गांव के बच्चे स्कूल बसों से दूर दराज के क्षेत्रों में पढ़ने जाते हैं। सुबह जल्दी तैयार होना पड़ता है। स्कूल से आने के बाद ट्यूशन पर चले जाते हैं। थोड़ा बहुत समय मिलता है तो बच्चे वह समय मोबाइल गेम्स खेलने और टीवी पर कार्टून देखने में बिताते हैं। पुराने जमाने में अमीर व गरीब के सभी बच्चे गांव के सरकारी स्कूल में एक साथ पढ़ते थे और खेलते थे। स्कूल पास में होने की वजह से आने जाने का समय भी बचता था। उन दिनों ट्यूशन का भी रिवाज नहीं था। सुबह शाम बच्चे गांव के गौरवे और चिरी में जमकर खेलते थे। इस दौरान वे पूरे संसार से कट जाते थे। घंटों तक धमाचौकड़ी होती थी। मां-बाप भी बच्चों को लेकर बेफिक्र होते थे। पता था कि उछल कूदकर घर आ जाएंगे।

रागनी | भूपसिंह 'भारती'

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

बेटी बचाणी सै बेटी पढाणी सै।
हमनै या बात इब घर-2 पोहचाणी सै।।

माना कि बेटा की चोखी दरकार सै,
बिना बेटियां कै ना चाल्लै संसार सै,
बेटी बचाओ-पढ़ाओ या बात बताणी सै।

माना कि बेटा नै, कुलदीप बतावै सै,
लेकिन बेटियां, जगदीप कहावै सै,
इब इसकी रोशनी, जग म्हं फैलाणी सै।

धीर, वीर, गम्भीर हो बेटी,
इस जग की, तक़दीर हो बेटी,
इब हमनै अपणी, तक़दीर बनाणी सै।

हम सबका, विश्वास हो बेटी,
नव विहान की, आस हो बेटी,
'भारती' इस आस म्हं, दुनिया बचाणी सै।

रागनी | विश्वबंधु शर्मा

बेड़ा पार

आड़े मन भीतर संग्राम चलै , तूँ मन मार तार परले पार ।
योह संसार सागर है अपार , प्रभु करो जर्जर बेड़ा पार ।। टेक ।।

काम क्रोध लोभ मोह मद मत्सर आड़े बड़े बड़े भट अकड़े हैं ।
उस काल रूपी भगवान प्रभु नै अपणे जबड़े मैं जकड़े हैं ।
आवेगोण लगी रहैयाँ पै ,इत नित नये रोज के लफड़े हैं ।
कर्म का फल पाते हैं नर , सब न्यारे न्यारे फफडे हैं ।
मैं लाचार प्रभु कर बेड़ा पार प्रभु थाह तेरी माया अपरंपार।।

कर्म की फाँसी बणो संन्यासी ,आड़े कर्म त्यागणा ठीक नहीं ।
तूँ इंद्री लगा कर्म के भीतर , विषयों मैं लाणा ठीक नहीं ।
आड़े धर्म समझ कर सतत कर्म ,मनुआ फलासक्ति ठीक नहीं ।
देह का स्वामी रहो निष्कामी , मन कल्मष मैं लाणा ठीक नहीं ।
कर पावन बुद्धि करो आत्म शुद्धि , राम नै तूँ भीतरले मैं तार।।

यह अजर अमर अविनाशी जीव,करताहै देहों का परिवर्तन ।
रल प्रकृति जीव अर आत्मा तीनू ,करते हैं इत देह का संघटन ।
होणा देही का परिवर्तन ही , यो मान्या जाता देही विघटन ।
इन तीनों के कारण ही देख्या ,होता आड़े संसृति संचालन ।
यो तन संचालन मनसंचालन ,तभी बुद्धि भृष्ट हो बंटाधार ।।

लघुकथा | गोविन्द भारद्वाज

अच्छे दिन

आज अखबार में जल आपूर्ति न होने की खबर पढ़कर उसके चेहरे पर मुस्कान बिखर गई। 'आज तो बहुत बढ़िया दिन निकलेगा। दिन पर कमाई ही कमाई।' उसने कहा। 'आज इतनी कमाई क्यों?' पत्नी ने पूछा। 'अरे आज शहर के की हिस्सों में पानी नहीं आएगा...फिर देखना अपना पानी का धंधा क्या खूब चलेगा।' उसने कहा। 'सुनो जी।' कहो।' सने अखबार समेटते हुए कहा। 'पानी बेचना जरूरी है क्या? प्यासों की प्यास बुझाना तो मानव का धर्म है।' पत्नी ने कहा। 'अरी धर्म-कर्म के चक्कर में पड़े तो बच्चे भूखे मर जाएंगे। भीषण गर्मी में पानी न आना ही अपने अच्छे दिन आने के संकेत हैं।' उसने जवाब दिया।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

परंपरा | श्रृंगार को खराब होने से बचाते थे पालकी और डोली, बाहुली से बनी रस्सी का होता था इस्तेमाल

दूल्हा-दुल्हन की शान पालकी-डोली हो गई लुप्त

लकड़ी
पालकी बनाने में हल्के भार वाली लकड़ी की जरूरत

दो दो व्यक्ति
दो-दो व्यक्तियों द्वारा उठाया जाता है पालकी या डोली को

माप
आधार का माप आमतौर पर 3 फुट लंबा 2.5 फुट चौड़ा

परंपरा | पवन चौहान

समय के साथ जीवन के हर हिस्से में बदलाव आया है। समय का प्रभाव हमारी परंपराओं व रस्मों में भी बराबर हुआ है। इसी के चलते यदि हम डोली और पालकी की बात करें तो यह परंपरा भी इससे अछूती नहीं रह सकी है। इनका प्रचलन अब खत्म हो चुकी है। डोली और पालकी पुराने समय के वे साधन थे जिसमें दुल्हन और दूल्हा को बैठाकर, दुल्हन से दूल्हे के घर और दूल्हे से दुल्हन के घर तक का सफर तय किया जाता था। पालकी दूल्हे के लिए थी तो डोली दुल्हन के लिए सजी होती थी। आधार पर बिछाया जाता है सेला डोली और पालकी का आधार लगभग एक समान रहता था, जबकि बनावट और सजावट

के आधार पर ऊपर वाले हिस्से अलग-अलग रहते हैं। डोली आकार में पालकी से थोड़ी बड़ी होती है। डोली की सजावट पालकी से ज्यादा होती है।

डोली को चारों ओर से कपड़े से ढकने की पूरी व्यवस्था रहती है जबकि पालकी को कपड़े से चारों तरफ से नहीं ढका जाता। इन दोनों के आधार का माप आमतौर पर 3 फुट लंबा 2.5 फुट चौड़ा रहता है परंतु यह इस माप से अपने क्षेत्र की सुविधानुसार बड़ा या छोटा भी हो सकता है। इसमें एक व्यक्ति के आराम से बैठने लायक जगह होती है। बैठने वाला यह हिस्सा निवार या बाण (घास की रस्सी) से बुना जाता है। इन चीजों को इसके लिए शुद्ध माना जाता है। आधार वाले ऊपरी हिस्से में जहां दूल्हा-दुल्हन बैठते हैं में सेला बिछाया जाता है। डोली में फिर इस आयताकार आधार के हर कोने के साथ चार पिलरनुमा लकड़ी की मोटी छड़ियां डंडियां लगाई जाती हैं। इन्ही पर फिर मिस्त्री बढ़िया तरीके से तिर्यक ऊंचाई वाली छत तैयार करता है। पालकी की छत का निर्माण छड़ियों की सहायता से किया जाता है। इन लंबी छड़ियों को पालकी की लंबाई की दिशा में अर्धगोलाई में मोड़ते हुए पालकी के आयताकार हिस्से के कोने के साथ बांध दिया जाता है।

पालकी की खुबसूरती बढ़ाता है 'झामण'

पालकी की छत पर फिर उसी नाप और डिजाइन के सुंदर व बढ़िया कपड़े की माहिर दर्जी से सिलाई करके मुख्यतः घनाभाकार कवर तैयार कर लिया जाता है। इस कपड़े पर इसके हर किनारे पर कई सुन्दर चित्र, फूल, कलशनुमा आकृतियां आदि उकेरी जाती हैं जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। इस घनाभाकार कवर को 'झामण' के पुकारा जाता है। झामण आगे और पीछे से पूरा बंद लेकिन किनारे के दोनों ओर से इस पर यह कपड़ा इस तरह से लगाया गया होता जो खिड़की का रोल अदा करता है। इसके सहारे इस बंद पड़ी डोली में दुल्हन इसे एक तरफ हटाकर बाहर देख सकती है। यह अपने-अपने तरीके से बनाया व सजाया गया होता है। कई बार इन किनारों को ऐसी कपड़े की मोटी जाली के रूप में खिड़की की तरह बनाया गया होता है जिससे इस कपड़े को हटाने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

विलुप्त हो रही सांग विद्या को संभाले हुए है दमन-वेद की जोड़ी

◆ आधुनिकता की चकाचौंध में लोक कजा को सहेजा ◆ किसी परिचय की मोहताज नहीं जोड़ी ◆ विरासत में मिला सांग विद्या का गुण ◆ लेखन कार्य में रही रुचि

कलाकार | कुमार राकेश कायत

करीब तीन दशक पहले सांग विद्या क्षेत्र में कदम रखने वाले दमन-वेद की जोड़ी आज किसी परिचय की मोहताज नहीं है। उनकी ख्याति हरियाणा प्रदेश के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश व दिल्ली से लेकर मुंबई तक फैल चुकी है। वर्ष 1995 में माछरौली से सांग विद्या पार्टी की शुरूआत करने दमन और वेद अब तक आकाशवाणी रोहतक, नेशनल चैनल दिल्ली, बोल हरियाणा, फोकस हरियाणा, ईटीवी, डीडी किसान आदि टीवी चैनलों पर अपनी सांस्कृति प्रस्तुति दे चुके हैं। वर्ष 2016 में प्रदेश सरकार द्वारा हरियाणवीं कला संस्कृति की प्रस्तुति देने के लिए मुंबई में आयोजित फोक स्टार माटी के लाल कार्यक्रम में ड्रोजा गया जहां दोनों भाइयों ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए हरियाणवीं रागिनी के माध्यम से गायन शैली में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

मूल रूप से हरियाणा स्थित झज्जर जिले के छोटे से गांव जहाजगढ़ में पले बढ़े दमन-वेद की जोड़ी में बडे भाई दमन ने बताया कि संगीत का गुण उन्हें पुरखों से मिला है। उनके दादा हरकेश जी जहां अपने जमाने में सारंगी वादक रहे वहीं पिता छंगाराम ने हारमोनियम वादक और गायक के रूप में अपनी पहचान बनाई। लिहाजा उनकी संगीत की प्रारंभिक शिक्षा की शुरूआत भी उन्हीं के घर से हुई। उन्होंने वर्ष 1980 से लेकर 1995 तक लोक संगीत, अड्डानिय रंगमंच, संगीत साहित्य और सांग विद्या का ज्ञान सांग सम्राट के रूप में प्रसिद्ध अपने

गुरू चन्द्रलाल वेदी से प्राप्त किया। इसके उपरांत उन्होंने सांग विद्या की पार्टी बनाकर अपनी कर्मभूमि माछरौली से संगीत यात्रा की शुरूआत की। गौशालाओं, मंदिरों, पाठशालाओं व धर्मशाला आदि निर्माण के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों से धीरे-धीरे वे प्रसिद्धि के शिखर की ओर आगे बढ़ने लगे। इसके बाद उन्हें आकाशवाणी केंद्रों व टीवी चैनलों पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों में भी आमंत्रित किया जाने लगा। संगीत की यह यात्रा उनकी आगामी पीढ़ी में अनवरत जारी है। उनका भ्रातीजा रवि ड्डी वर्ष 2021 में पंचकूला में आयोजित ओपन यूथ फेस्टीवेल में एक लाख रुपये की प्रोत्साहन हासिल कर चुका है। अपने गुरु चंद्रलाल सांगी से संगीत की दीक्षा लेने उपरांत जब उन्हे ख्याति मिलने लगी तो वे उनका रुझान भी अनिभय व नाटक के साथ लेखन कार्य में बढ़ने लगा। दोनों भाई बचपन से जहां नवबहार सांग में रोल अदा करते आ रहे हैं वहीं बालपन की पैनी आवाज ने गायन क्षेत्र में भी उन्हें ख्याति दिलाई। नवबहार सांग में एक गीत जिसके बोल थे धर्मदेबी तेरे कर्म करे का, न्या छांटन जौगा हो ग्या, इब तू फिक्र करै मत, मैं दुख बांटन जौगा हो ग्या का जादू लोगों के सिर चढ़कर बोलने लगा। इसके बाद उन्होंने हीर रांझे के किस्से में अपनी बनाई रागिनी की प्रस्तुति भी देनी शुरू की यह भी लोगों को खूब पसंद आई। दमन ने बताया कि अपनी लोकप्रियता के चलते वे प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रहे देवीलाल, भजनलाल व बंसीलाल के हाथों भी सम्मानित पा चुके हैं। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पिता रणबीर सिंह हुड्डा के देहांत पर उनकी अंतिम यात्रा में जहां उन्होंने विदाई गीत की प्रस्तुति दी वहीं यूपी के एक कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी के समक्ष भी उन्होंने अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। उन्हें मुबंई में दूरदर्शन के किसान चैनल पर प्रसारित होने वाले माटी के लाल कार्यक्रम की शूटिंग के दौरान निर्णायक मंडल में शामिल फिल्म अभिनेता, निर्माता, निर्देशक और कलाकार अन्नू कपूर से सम्मानित होने का मौका मिला। ऐसा नहीं है कि संगीत की इस बुलंदी पर पहुंचने में उन्हें कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा। चार-पांच दशक पहले जब रास्ते कच्चे हुआ करते थे तो वे दोनों भाई लोक संगीत सीखने की चाह में अपने पिता के साथ उनके वाद्य यंत्र कंधों पर उठाए करीब दस से बारह किलोमीटर तक पैदल सफर तय किया करते थे। वे अपने गुरु के साथ भी गोगामेड़ी मेला, डलहौजी, बाघा बार्डर, पिथोरागढ़, झांसी, नैनीताल, देहरादून, आगरा, मथुरा, जयपुर, नौचंदी मेला मेरठ, दमदमा झील आदि धार्मिक स्थलों पर पहुंच कर उस समय भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं जब साउंड सिस्टम व माइक का अभाव था।

सामाजिक बुराई दूर करने का संदेश

उन्होंने बताया कि उनकी गायकी में मुख्यतः सामाजिक बुराइयों का दूर करने व हरियाणवीं संस्कृति को महत्व देने का संदेश दिया गया। उन्होंने देशभ्रक्ति पर आधारित नाटक व ऐतिहासिक कहानियों को गायन शैली में ढालने का प्रयास किया। वर्तमान में युवा पीढ़ी का रुझान साहित्य, लोकसंगीत व अभिनय की ओर कम होता जा रहा है। युवा पाश्चात्य सभ्यता की ओर बढ़ रहे हैं।

खबर संक्षेप

राधाकृष्ण संगठन ने निकाली प्रभात फेरी

नारनौल। नगर में राधाकृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 71वीं प्रभात फेरी का आयोजन हुडा सेक्टर से किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम प्रभात फेरी के मुख्य यजमान विनोद चौधरी ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती करके सभी को चंदन तिलक लगाया। प्रभात फेरी में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे बच्चे, बूढ़े, पुरुष, महिलाएं, नौजवान धर्म प्रेमी लोगों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचते गाते राधे नाम का जाप किया। फेरी यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर सेक्टर में परिक्रमा करके प्रारंभ स्थल पर समाप्त हुई। इस दौरान परिक्रमा मार्ग में चमत्कारी बालाजी मंदिर में दर्शन करके सभी ने एक भाव से प्रातः काल की बेला में ढोल नगाड़ों की थाप पर राधे नाम का गूंजन किया।

कार्यशाला में किसानों को दिया प्रशिक्षण

कनीना। कम सिंचाई में बाजरे की फसल की अत्यधिक पैदावार लेने के लिए रविवार को कनीना में एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के 160 से अधिक किसानों ने हिस्सा लिया। रेवाड़ी रोड स्थित एक समारोह स्थल में आयोजित इस कार्यशाला में कंपनी के अधिकारियों ने किसानों को बाजरा की विभिन्न किस्मों व उन्नत पैदावार की जानकारी दी। कंपनी के क्षेत्रीय सेल्स मैनेजर किरणपाल सिंह ने किसानों को बताया कि ज्येष्ठ-आषाढ माह में बरसात होने पर बाजरा फसल की बिजाई की जाती है। यह फसल 75 से 85 दिन में पककर तैयार हो जाती है। जिसकी पैदावार 38 से 45 मण तक आंकी गई है। उन्होंने किसानों को कम सिंचाई में अधिक पैदावार लेने की विधि बताई।

वोट डालने गया परिवार पीछे से चोरों ने किया हाथ साफ

धारूहेड़ा। महेन्द्रगढ़ मतदान करने के लिए गए परिवार के पीछे से चोर मकान में हाथ साफ कर गए। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने मौके का मुआयना कर केस दर्ज कर लिया है। संतोष कॉलोनी निवासी रामकिशन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 25 मई को सुबी करीब 8 बजे वह मकान पर ताला लगाकर अपने परिवार सहित वोट डालने के गांव मोहलड़ा जिला महेन्द्रगढ़ गया था। जब वोट डालकर वापस लौटे तो मेनगेट का ताला बंद था तथा मकान के अंदर चैनल गेट का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाने पर तीन कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। जब उसने जांच की तो बैड के अंदर रखे दो लाख रूपये, दो जोड़ी सोने के टोपस, 2 जोडी सोने की चैन, 30 चांदी के सिक्के, 1 जोडी ओम सोना, 4 जोडी अंगूठी सोना व 3 जोड़ी पायजेब चांदी गायब मिली।

रामूपुरा में चोरों ने मंदिर को बनाया निशाना

बवानीखेड़ा। रामूपुरा बलियाली में मंदिर में चोरी होने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस में दी शिकायत में हनुमान उर्फ गोलू ने बताया कि वह जय बाबा तकिया डेरे में रहता है और शुक्रवार रात को मंदिर मे पानी की मोटर व 50 फुट नली व एक बिजली का बोर्ड व 3 घंटी पीतल की चोरी हो गई।

बाल वाटिका से लेकर बाहरवीं तक छुट्टी

भिवानी। ज्यादा गर्मी के चलते जिला उपायुक्त ने बाल वाटिका से लेकर बाहरवीं क्लास तक के सभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों की छुट्टियां की गई है। उपायुक्त ने इस बारे में शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए है। भेजे गए निर्देशों में कहा गया है कि सभी बच्चों की छुट्टियां रहेगी,लेकिन शिक्षक व गैर शिक्षक उपस्थित रहेंगे।

रविवार को बावल रोड पर आईओसी चौक के पास तेज रफ्तार तेल टैंकर ने सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को मारी टक्कर

शहर की सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे तेल के टैंकर, रविवार को बुजुर्ग की लील ली जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। महाराणा प्रताप चौक के पास से गुजरता तेल का टैंकर, हादसे के बाद आईओसी चौक के पास खड़ा तेल का टैंकर, सरकुलर रोड पर दौड़ते हुए भारी वाहन। फोटो :हरिभूमि

शहर के सरकुलर रोड पर सुबह 7 से रात्रि 9 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध के बावजूद भार वाहन समय से पहले शहर की सड़कों पर दौड़ रहे है। बेलगाम दौड़ते तेल के टैंकर व डंपर लोगों के लिए परेशानी बने हुए है। शाम होते ही इन भारी वाहनों की संख्या काफी बढ़ जाती है और यह सरकुलर रोड पर अंधाधुंध दौड़ना शुरू कर देते है। प्रशासन की ओर से इन भारी वाहनों पर लगाम कसने के लिए कोई ठोस कदम भी नहीं उठाएं जा रहे है। प्रशासन की ओर से की जाने वाली सड़क सुरक्षा कमेटी की बैठक भी महज औपचारिता बन कर रह गई है। रविवार को शहर के बावल रोड पर आईओसी चौक के पास तेज रफ्तार तेल के टैंकर ने सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी। टक्कर मारते ही टैंकर चालक फरार हो गया। राहगीरों ने बुजुर्ग को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से बुजुर्ग को ट्रामा सेंटर लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। करीब 10 दिन पहले तेल के टैंकर ने अनाजमंडी के पास एक कार को टक्कर मार दी थी,जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, गनीमत यह रही की कार चालक बाल-बाल बच गया।

गलत लेन ड्राइविंग कर रहे वाहन चालक

पुलिस प्रशासन की ओर से सड़क हादसों को देखते हुए जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग और स्टेट हाइवे पर चलने वाले ट्रकों, बसों व अन्य भारी वाहनों को पूर्ण रुप से बाईं ओर चलने की सख्त हिदायत जारी की गई थी, लेकिन न तो उस पर अमल हो रहा है और न ही रात के समय शहर में मौत बनकर दौड़ते डंपरों पर लगाम कस पाई है। पुलिस प्रशासन की ओर से रोजाना गलत लेन ड्राइविंग करने वाले वाहनों के काफी चालान काटे जा रहे है।

शाम होते ही वाहनों की लग जाती कतार

शहर के बाहरी मार्गो पर शाम होते ही भारी वाहनों की कतार लगनी शुरू हो जाती है। नौ-एंट्री का समय खत्म होते ही यह वाहन शहर की सड़कों पर दौड़ना शुरू कर देते है। शहर के सरकुलर रोड सहित शहर में गढ़ी बोलनी रोड व बावल रोड पर भारी वाहन परेशानी पैदा करते है। इनमें से काफी वाहन तो नौ-एंट्री से पहले ही शहर में प्रवेश करना शुरू कर देते है और पुलिस की आंख बचाकर निकलने में सफल हो जाते है।

शहर से शॉर्टकट मार रहे डंपर चालक

डंपर व ट्रक चालक बाइपास का इस्तेमाल करने की बजाय शॉर्टकट के चक्कर में शहर से होकर गुजर रहे है। यह डंपर सरकुलर रोड पर कई बार हादसों को अंजाम भी दे चुके है। दो साल पहले पत्थरों से भरा डंपर नाईवाली चौक के पास की दुकान व नाईवाली चौक को भी क्षतिग्रस्त कर चुका है। रोडवेज वर्कशॉप की दीवार भी तोड़ चुका है। इसके अलावा डंपर कई दोपहियां वाहन सवारों की जान भी ले चुके है, लेकिन फिर भी भारी वाहन शहर से होकर गुजर रहे है।

आईजीयू के एनएसएस स्वयंसेवकों ने गांवों में चलाया अभियान

रेवाड़ी। मतदाता जागरूकता स्लोगन दिखाती छात्रा। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। ग्रामीणों के साथ स्वयंसेवकों की टीम। फोटो :हरिभूमि

- नुक्कड़ नाटक से लोगों को शत प्रतिशत मतदान करने के लिए जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों की ओर से लोकसभा चुनाव में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गांवों में लोगों को प्रतिशत मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। एनएसएस के स्वयंसेवक गोविंद, रविंद्र, मुस्कान, रजत, कर्मवीर व मीना ने गत दिवस गांव ततारपुर इस्तमुरार व सुनारिया में ग्राम वासियों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्लोगन लिखे पोस्टर के साथ सोशल मीडिया पर सभी को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस स्वयंसेवकों की ओर से मीरपुर, तुर्कियांवास, बुडाना, बुड़ानी, फिदेड़ी, रामगढ़, भगवानपुर, फदनी, जाट व जाटी गावों में एक मई से लगातार जागरूकता अभियान चलाया गया। एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डा. करण सिंह, कार्यक्रम अधिकारी सुशांत यादव, डा. अनीता यादव, डा. रीना हुड्डा व डा. ललित कुमार ने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

यूथ क्लब ने लावारिस व्यक्ति का अंतिम संस्कार कर मानवता दिखाई

- तंवर ने युवाओं को समाज हित में निःस्वार्थ भाव से खुद को साबित करने की अपील की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। लावारिस का अंतिम संस्कार करते क्लब के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

बीएमडी यूथ क्लब धारण ने रविवार को समाज सेवियों के सहयोग से सीएचसी बावल की मोर्चरी में रखे लावारिस शव का शमशान घाट में अंतिम संस्कार करके समाज को मानवता का संदेश दिया। बीएमडी क्लब संस्थापक अरूण तंवर धारण ने बताया कि थाना बावल एसआई सुमित कुमार की सूचना पर समाजसेवी कुलदीप चौहान, मोनू गौड़ धारण, बाउंसर अनिल तंवर, बिट्टू रोहिल्ला, नरसिंह शेखावत, बिंदु पार्षद बावल,अधिनायक गौड तथा पुलिस कर्मचारियों के सहयोग से शव का अंतिम संस्कार किया गया। तंवर ने युवाओं को समाज हित में निःस्वार्थ भाव से खुद को साबित करने की अपील की। सब इंस्पेक्टर सुमित ने युवाओं के इस कार्य की सराहना करते हुए युवा टीम का आभार जताया।

भयंकर गर्मी में 65 प्रतिशत मतदान नागरिकों की जागरूकता का प्रमाण

- बदलाव की सोच के साथ ग्रामीणों ने बड़ी तादाद में वोट किया : विद्रोही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

वेदप्रकाश विद्रोही।

- चुनाव आयोग ने 20 मई तक सारा चुनाव सम्पन्न कराने की बजाय एक जून तक खींचा

स्वयंसेवी संस्था ग्रामीण भारत के अध्यक्ष वेदप्रकाश विद्रोही ने हरियाणा में शांतिपूर्ण ढंग से लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने पर प्रदेश के सभी नागरिकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि जिस तरह भयंकर गर्मी में हरियाणा वासियों ने 65 प्रतिशत मतदान किया, इससे पता चलता है कि हरियाणा का नागरिक कितना जागरूक व अनुशासित है। विद्रोही ने कहा कि बदलाव की सोच के साथ ग्रामीणों ने बड़ी तादाद में वोट किया है। विद्रोही ने कहा कि हजारों वर्षो से सभी को पता है कि मई के अंतिम सप्ताह व जून के शुरू तक धरती से सूर्य की दूरी बहुत कम रहने से भयंकर गर्मी पडती है, जिसे नौतपा कहा जाता है। सवाल यह उठता है कि इस तथ्य को जानते हुए भी चुनाव आयोग ने 20 मई तक सारा चुनाव सम्पन्न कराने की बजाय एक जून तक क्यों खींचा। छह चरणों का चुनाव ग्वाह है कि चुनाव आयोग ने निष्पक्षता, स्वतंत्रता से चुनाव कराने की अपनी संवैद्यानिक जिम्मेदारी निभाने की बजाय अधिकारों का खुला दुरूपयोग किया है, जो सभी नागरिकों के लिए बड़ी चिंता का विषय है।

बालवाटिका से पांचवी कक्षा तक की अवकाश अवधि 31 तक बढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी राहुल हुड्डा ने निदेशक माध्यमिक शिक्षा हरियाणा पंचकूला की ओर से जारी की हिदायतों की पालना में जिले में भीषण गर्मी को देखते हुए बालवाटिका से पांचवी कक्षा तक के सभी सरकारह, अर्धसरकारी व प्राइवेट विद्यालयों की अवकाश अवधि 31 मई तक बढ़ा दी है। डीसी ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी इस अवधि में सुनिचित करें कि कोई भी बालवाटिका से पांचवी कक्षा तक के स्कूल खुले न रहे। सभी विद्यालय संचालक इन आदेशों की सख्ती से पालना करें।

बनीपुर में सात दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ

रेवाड़ी। गांव बनीपुर में योगाभ्यास करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

आयुष विभाग व पतंजलि योग समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को गांव बनीपुर में सात दिवसीय निःशुल्क योग शिविर का शुभारंभ किया गया। योग सहायक विनोद कुमार ने लोगों को दैनिक दिनचर्या के बारे में बताते हुए प्राणायाम, सूक्ष्म व्यायाम व सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया। आयुष विभाग व पतंजलि योग समिति की ओर से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी में जगह-जगह योग कैंप लगाकर लोगों को योग के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

कार्यक्रम में सरपंच पवन कुमार व समस्त ग्रामीणों का पूर्ण सहयोग रहा।

बोर्ड परीक्षा से वंचित और कंपार्टमेंट वाले छात्र करें आवेदन

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

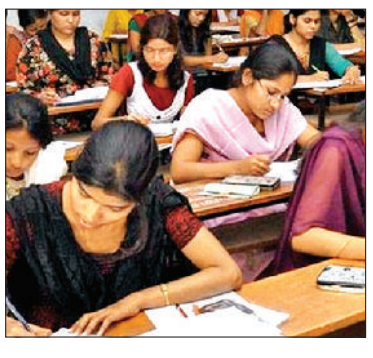

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड सैकेंडरी परीक्षा से वंचित व कम्पार्टमेंटवाले विद्यार्थी फ्रेश श्रेणी में बतौर स्वयंपाठी परीक्षा में प्रविष्ट हो सकते हैं। ऐसे विद्यार्थी अधिकारिक वेबसाइट बीईएसएच.ओआरजी.इन पर आवेदन करें। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. वीपी यादव ने बताया कि सैकेंडरी-सैकेण्डरी सह-पूर्व मध्यमा एवं सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा जून-जुलाई के लिए परीक्षार्थी बिना विलम्ब शुल्क 900 रुपये के साथ 26 मई तक आवेदन कर सकते हैं। 100 रुपये विलम्ब शुल्क के साथ पंजीकरण तिथि 27 से 31 मई रहेगी। इसी प्रकार 300 रुपये विलम्ब शुल्क सहित पंजीकरण तिथियां 1 जून से 5 जून तथा 1000 रुपसे विलम्ब शुल्क सहित 6 से 10 जून तक आवेदन कर सकते है।

रेहड़ी लगा परिवार पालने वाली महिला के सामान को किया आग के हवाले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना। आगजनी की भेंट चढ़ी महिला की रेहड़ी व अन्य सामान। फोटो: हरिभूमि

उप नागरिक अस्पताल के समीप फल-सब्जी की रेहड़ी लगाकर परिवार का भरण-पोषण करने वाली महिला की रेहड़ी, प्लास्टिक की क्रेट व अन्य सामान को अज्ञात शरारती तत्वों ने आग के हवाले कर दिया। जिससे वह जलकर राख हो गया। इस बारे में वार्ड 12 निवासी महिला ममता ने शहर थाना में शिकायज दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में महिला ने कहा कि वह बीपीएल परिवार से संबंध रखती है तथा फल-सब्जी की रेहड़ी लगाकर अपने परिवार का पोषण करती है। शिकायतकर्ता ने बताया कि रविवार सुबह जब वह अपने बेटे के साथ दुकान पर आई तो उसकी रेहड़ी, प्लास्टिक के क्रेट सहित अन्य सामान धू-धू कर जल रहा था। आगजनी से क्षतिग्रस्त हुए सामान की कीमत करीब दो लाख रुपये है। पीड़ित महिला ने इस घटना की जानकारी डायल 112 पर पुलिस व दमकल केंद्र कर्मियों को दी। जिस पर पुलिस व दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आगजनी पर काबू पाया, लेकिन तब तक सामान जलकर राख हो चुका था। महिला ने कहा कि अस्पताल के चौक पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। जिसके माध्यम से आरोपितों की पहचान कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए और उसके नुकसान की भरपाई की जाए। सूचना मिलने के बाद सिटी पुलिस ने घटना स्थल का मौका मुआयना कर छानबीन शुरू कर दी है।

हरियाणा मुक्त विद्यालय परीक्षा के लिए आवेदन आज से

रेवाड़ी। हरियाणा मुक्त विद्यालय सैकेंडरी व सीनियर सैकेंडरी परीक्षा के लिए 27 मई से आवेदन होंगे। हरियाणा मुक्त विद्यालय सितंबर में होने वाली सैकेंडरी और सीनियर सैकेंडरी परीक्षा के लिए ऑनलाइन फार्म बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट बीईएसएच.ओआरजी.इन पर उपलब्ध है। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. वीपी यादव ने बताया कि सैकेंडरी सीटीपी, ओसीटीपी व अतिरिक्त विषय के परीक्षार्थियों के लिए 1150 रुपए एवं रि-अपीयर व आंशिक अंक सुधार तथा पूर्व विषय अंक सुधार कैटेगरी के परीक्षार्थियों के लिए 1050 रुपए परीक्षा शुल्क निर्धारित किया गया है। परीक्षार्थी बिना विलम्ब शुल्क 27 मई से 16 जून तक तथा विलम्ब शुल्क सहित 31 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

पानी की बोतल लेने रुका इतने में बाइक चोरी

रेवाड़ी। पानी की बोतल लेने गए व्यक्ति की रेलवे चौक के पास से बाइक चोरी हो गई। गांव जहांगीरपुर जिला फिरोजाबाद यूपी निवासी अवनीश यादव ने शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सीकर में सब्जी का ठेला लगाता है। गत दिवस वह अपनी मोटरसाइकिल पर सीकर से नोयडा जा रहा था। जब वह रेवाड़ी के रेलवे चौक पहुंचा तो बाइक खड़ी करके पानी की बोतल लेने दुकान पर चला गया। जब वापस आया तो वहां से बाइक गायब थी। इधर-उधर पूछताछ करने पर उसने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने अज्ञात पर बाइक चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

कहासुनी के बाद कंपनी से निकली पत्नी लापता

कसोला। पति-पत्नी में हुई मामूली कहासुनी के चलते पत्नी घर से लापता हो गई। कसोला थाना पुलिस मामले की जांचकर रही है। गांव मदुदाबाद जिला समस्तीपुर बिहार का निवासी हाल में गांव पातुहेड़ा में किराये पर रहने वाले रूपेश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 24 मई को सुबह उसकी अपनी पत्नी के साथ मामूली कहासुनी हो गई। उसके बाद दोनों कंपनी में ड्यूटी पर चले गए थे। उसकी पत्नी 3:30 बजे कंपनी से चली गई थी। जब वह कंपनी से शाम को 7:30 बजे कमरे पर पहुंचा तो उसकी पत्नी वहां नही मिली। आसपास पूछताछ करने पर भी उसका कोई पता नहीं चला। पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्जकर महिला की तलाश शुर कर दी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से व्यक्ति की मौत

बावल। एनएच-48 पर अज्ञात वाहन की टक्कर से व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। मृतक के शव को बावल के शवगृह में रखवाया गया है। बावल पुलिस थाना की शिकायत में नैचाना निवासी रवि कुमार ने बताया कि वह पेट्रोल पंप पर मैनेजर है। उसके सेल्समैन ने आकर बताया कि एक अज्ञात वाहन व्यक्ति को टक्कर मारकर चला गया है। उसने मौके पर देखा तो व्यक्ति की लाश हाइवे के डिवाइडर के पास पड़ी हुई थी। उसके तुरंत डायल 112 पर काल की। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक को बावल के सरकारी अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक पर केस दर्ज कर लिया है।

बेटे ने मां के सिर पर मारी ईंट, केस दर्ज

बावल। नांगल शहबाजपुर में बेटे ने अपनी मां के सिर पर ईंट मारकर घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी दी। गांव निवासी कमलेश देवी ने बावल थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह घरेलू काम करती करती है। 24 मई को करीब दोपहर 2 बजे जब वह अपने घर पर थी तो उसका बेटा पवन कुमार भी घर पर ही था। पवन ने बिजली के तार हटा दिए। जब कमलेश बिजली तार लगाने की कोशिश कर रही थी तो पवन ने अचानक उसके सिर पर ईंट मारी और जान से मारने की धमकी देकर चला गया। दामाद मुकेश कुमार ने कमलेश को बावल के सरकारी अस्पताल में दाखिल कराया। पुलिस ने पवन के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शराब के नशे में कबाड़ी के साथ मारपीट

धारूहेड़ा। शराब पीकर आए व्यक्ति ने कबाड़ी को लाठी से हमला कर घायल कर दिया। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गांव मालाहेड़ा निवासी रोहताश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने वाका मौजा नियर सुखढाबा के पास कबाड़ी की दुकान की हुई है। 23 मई को गांव मालाहेड़ा निवासी नवीन उसकी दुकान पर शराब पीकर आ गया और गालियां देने लगा। समझाने पर नवीन ने उसके साथ लाठी व डंडे से मारपीट की, जिससे कबाड़ी को काफी चोटें आई। जैसे-तैसे वह अपनी जान बचाकर पास की टाइल कंपनी में भाग आया, लेकिन उसने वहां पर भी आकर उसके साथ मारपीट की और मोबाइल फोन छीन लिया तथा जान से मारने की धमकी देकर चला गया।

एक सप्ताह में दूसरी बार 46 डिग्री पहुंचा पारा, आगामी सप्ताह में गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं

इस वर्ष गर्मी में झुलसाने लगा नौतपा, गत वर्ष नौ दिन था शीतलता का अहसास

- बिजली की खपत रोजाना तोड़ रही रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭|रेवाड़ी

रेवाड़ी। रविवार दोपहर 2 बजे बावल रोड पर पसरा सन्नाटा तथा रविवार दोपहर 1:45 बजे अनाजमंडी रोड पर पसरा सन्नाटा। फोटो : हरिभूमि

नौतपा शुरू होते ही आसमान से आग बरसने लगी है। मई माह के अंत में गर्मी ने लोगों को बुरी तरह परेशान करना शुरू कर दिया है। रविवार को तापमान भी दूसरी बार 46 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। इस सप्ताह गर्मी से राहत की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। आगामी सप्ताह में तापमान और बढ़ सकता है, जिससे झुलसाने वाली गर्मी लोगों को जमकर परेशान कर सकती है। गत वर्ष नौतपा की शुरूआत बरसात व ओलावृष्टि के साथ हुई थी, जिससे तापमान में कमी के कारण नौतपा के 9 दिन पूरी तरह ठडंक भरे थे। वर्ष 2023 में 25 मई से 2 जून तक अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया। 27 मई को अधिकतम तापमान 30 डिग्री व न्यूनतम तापमान 18.5 डिग्री पर आ गया था, लेकिन इस बार भारी गर्मी ने जन जीवन बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। अभी जल्द गर्मी से निजात मिलने के कोई संकेत नजर नहीं आ रहे हैं। आसमान से पूरी तरह आग बरस रही है तथा लू के थपेड़े लोगों को परेशान कर रहे है।

रविवार को सुबह से आसमान साफ रहने से 9 बजे बाद से ही गर्म हवाओं ने परेशान करना शुरू कर दिया। अधिकतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 46 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 1.9 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 26.6 डिग्री पर आ गया। वर्ष 2023 में आज के दिन 26 मई को अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस वन्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस था, जबकि इस वर्ष 26 मई का अधिकतम तापमान 13.5 डिग्री व न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। भारी गर्मी के कारण जन जीवन बुरी तरह प्रभावित होने लगा है। शहर में जहां दोपहर के समय सड़क से लेकर बाजार तक में कर्फ्यू जैसे हालात नजर आ रहे हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग दोपहर के समय घरों से बाहर नहीं निकल रहे है।। रविवार को अवकाश का दिन होने के कारण चारों ओर सन्नाटा नजर आया। लोग सुबह और शाम के समय ही बाजार में खरीददारी के लिए आ रहे हैं। लू का प्रकोप शुरू होने के बाद लोगों में हीट स्ट्रॉक का खतरा भी बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह गर्मी से राहत की कोई उम्मीद नहीं है।

गत वर्ष के नौतपा का 9 दिन का तापमान

दिनांक	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
25 मई	37.0	21.0
26 मई	32.5	19.5
27 मई	30.0	18.5
28 मई	35.5	23.5
29 मई	31.5	22.0
30 मई	36.0	22.2
31 मई	30.5	21.0
1 जून	32.0	21.0
2 जून	34.2	21.4

कूलर और एसी से भी नहीं राहत

गर्मी का प्रकोप इतना बढ़ गया है कि दोपहर के समय गर्म हवाओं के कारण कूलर और एसी भी फेल होने लगे हैं। इनकी हवा भी अब गर्म होना शुरू हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इस स्तर तक तापमान पहुंचने के बाद लोगों को सुबह और शाम के समय भी भारी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। रात का तापमान बढ़कर 30 डिग्री से ऊपर तक जा सकता है।

बिजली की खपत तोड़ रही रिकॉर्ड

भारी गर्मी के कारण बिजली की मांग काफी बढ़ गई है। बिजली निगम ने रविवार शाम तक 155 लाख यूनिट के करीब बिजली की आपूर्ति की। इससे पहले 22 मई को इस सीजन की सबसे अधिक 156.60 लाख यूनिट बिजली आपूर्ति की गई थी, जबकि 24 मई को 155.08 व 25 मई को 147.89 लाख यूनिट बिजली आपूर्ति हुई थी। बिजली की पर्याप्त उपलब्धता के चलते अभी पावर कट नहीं लग रहे हैं। तीन दिन से शहर में बिजली के कट भी नहीं लगे है। तापमान बढ़ने क साथ बिजली की मांग दो-तीन दिन में और बढ़ सकती है।

शीतल पेय से गला तर कर रहे लोग

भारी गर्मी के कारण बाजार में शीतल पेय की बिक्री भी बढ़ने लगी है। गन्ने के जूस व शिकंजी की दुकानों से लेकर शीतल पेय बेचने वाले दुकानदारों के पास ग्राहकों की अच्छी भीड़ नजर आ रही है। नारियल पानी की मांग भी काफी बढ़ रही है। नारियल की कीमत भी 80 रुपये तक वसूली जा रही है, जो गत वर्ष से दोगुनी है। मौसमी फलों के रूप में तरबूज और खरबूजा भी खूब बिक रहा है।

प्लाट के विवाद को लेकर मां-बेटे के साथ मारपीट

रेवाड़ी। प्लाट के विवाद को लेकर पडौसियों ने घर में घुसकर गालियां देते हुए परिवार के साथ मारपीट की। आवाज सुनकर आए पडौसियों ने उन्हें छुड़वाया। धारूहेड़ा सेक्टर-6 थाना पुलिस केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच कर रही है। गांव मालपुरा निवासी प्रवीण ड्राइवरी का काम करता है। प्रवीण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चिनाई का काम चलने के कारण 25 मई को वह घर पर था। शाम 6 बजे करीब जब वह मकान की छत पर था व उसकी मां गायत्री देवी गेट के बहार खड़ी थी। उसी समय घर के सामने रहने वाले रामनिवास, उसका बेटा दीपक व अजय, पत्नी उर्मिला व बेटी पूनम उसकी मां के साथ गाली-गलौच करने लगे। जब उसकी मां ने विरोध किया तो उन्होंने गायत्री देवी के साथ मारपीट शुरू कर दी। जब वह बाहर आया तो सुनकर उन्होंने प्रवीण के साथ भी मारपीट की। उसकी पत्नी समता व आस पास के लोगों ने उन्हें छुड़वाया। प्रवीण ने बताया कि यह उनके प्लाट पर कब्जा करना चाहते है। प्रवीण ने अपनी मां को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने चार लोगों पर मारपीट का केस दर्ज कर लिया है।

- पुलिस ने चार लोगों पर मारपीट का केस दर्ज कर लिया है

सनातन संस्कृति देती अमृत वेला में जागने का संदेशः सीकरी

- ब्रह्म वेला में मानो प्रकृति और परमात्मा दोनों अपने प्रिय मानव पर आशीर्वाद लुटाने को तत्पर होते है

हरिभूमि न्यूज ⏭|रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में सम्मानित करते संस्था पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को भारत की सनातन परंपरा को नमन करने का कार्यक्रम 'हमारी संस्कृति-हमारे संस्कार' का आयोजन पंजाबी धर्मशाला में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एलिगेंट सिटी के निदेशक रवि गुप्ता, विश्व हिंदू परिषद के जिला उप प्रधान नरेंद्र जोशी व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि सनातन धर्म में किसी भी पूजा, प्रार्थना, यज्ञ, हवन व धार्मिक आयोजन की पूर्ति पर श्रद्धा पूर्वक उद्घोष लगाते हैं धर्म की जय हो,अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो व विश्व का कल्याण हो, इसमें हमारा भाव किसी जाति, रंगभेद या किसी व्यक्ति विशेष का नहीं बल्कि पूरे विश्व के प्रत्येक प्राणी की मंगल कामना होता है। हमारी सनातन संस्कृति में हमारा मूल मंत्र है, अहिंसा परमो धर्मः, लेकिन अपने देश व भारत माता पर कोई शत्रुता वाली नजर डालता है तो उसकी आंखें नोच लेने की आज्ञा भी हमारी सनातन संस्कृति प्रदान करती है। महिला प्रधान निशा सीकरी, समाजसेवी मधु गुप्ता व शिक्षाविद प्रीति कपूर ने कहा कि सनातन संस्कृति हमें अमृत वेला में जागने का संदेश देती है। ब्रह्म वेला में मानो प्रकृति और परमात्मा दोनों अपने प्रिय मानव पर आशीर्वाद लुटाने को तत्पर होते हैं। प्रातः काल के उसे दिव्य अमृत का हमें निश्चयपूर्वक पान करना चाहिए। सहसंयोजक प्रवीण ठाकुर ने सभी को गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो भजन पर एरोबिक्स कराया। कार्यक्रम में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए रामकिशन सैनी मोजाबाद, जगदीश यादव जैतपुर, शिक्षाविद लक्ष्मी नारायण अग्रवाल व समाज सेवी राजेंद्र गेरा को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। अतिथियों को भारत माता, राम दरबार व शहीद भगत सिंह के चित्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। कार्यक्रम में पवित्रा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष प्रोफेसर अनिरुद्ध यादव, संस्था के प्रधान अरुण गुप्ता, शिक्षाविद् डा. बलबीर अग्रवाल, प्रवक्ता देवेंद्र कुमार, हिमांशु, जूही, राहुल, कपिल कपूर, पूर्वांशी, ओजस्वी, सोनिया कपूर, सुरेश शर्मा, महक व शेफाली सहित अनेक लोग मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर कांफ्रेंस दो जून को

हरिभूमि न्यूज ⏭|रेवाड़ी

रेवाड़ी। अपना मन फाउंडेशन के टीम सदस्य। फोटो : हरिभूमि

अपना मन फाउंडेशन की ओर से 2 जून को अंतरराष्ट्रीय मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया जाएगा। टीम सदस्य अनुराधा सैनी ने बताया कि इस बार कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आसपास के फील्ड एक्सपर्ट को बुलाया जाएगा। बाल भवन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा बाल विकास परिषद की उपाध्यक्ष पारीशा शर्मा शिरकत करेंगी और सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं पर अपने विचार रखेंगी। कार्यक्रम में डॉ. आरबी यादव अस्पताल से स्त्रीरोग विशेषज्ञा डॉ. सुमन यादव महिलाओं को होने वाली दिक्कतें जैसे पीसीओडी और अन्य बीमारियों के बारे में परामर्श देंगी। सीएसआर एक्सपर्ट नेहा शर्मा कंपनियों की ओर से दिए जाने वाले सहयोग के बारे में बताएंगी। टीम के सदस्य राहुल ने लोगों से कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा लोग शिरकत करने की अपील की है। कार्यक्रम में टीम के सदस्य अंजू, प्रशांत, यतीश, मनोज सैनी, रुपेश व प्रभात सोनी योगदान रहे है।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 111 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

- मरीजों को निःशुल्क ओपीडी सेवाएं देकर फ्री दवाइयां भी प्रदान की गई
- प्रोफेसर आर एस यादव संरक्षक यादव कल्याण सभा ने नवनिर्मित तीसरी लिफ्ट का उद्घाटन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭|रेवाड़ी

रेवाड़ी। शिविर में मरीजों की जांच करते डॉक्टर। फोटो : हरिभूमि

यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्रीकृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में 111 मरीजों को निःशुल्क ओपीडी सेवाएं देकर फ्री दवाइयां भी प्रदान की गई। डा. एसपी यादव ने मेडिसिन, डॉ. अजय यादव ने हड्डीरोग, डॉ. अभिनव राव ने सर्जरी, डॉ. अनिल यादव ने दंत रोग, डॉ. रमेश यादव ने नेत्ररोग व डॉ. सुरेंद्र यादव ने स्त्रीरोग के मरीजों का परामर्श दिया। मेडिकल कैंप के समापन के बाद सभा के प्रधान रामबीर यादव की अध्यक्षता में मासिक बैठक का आयोजन किया गया।

डा. एल एस यादव जनरल सेक्रेटरी की अनुपस्थिति में जसवंत सिंह यादव ने सभी सदस्यो कों श्रीकृष्ण भवन की तैयार की गई तीसरी लिफ्ट के बारे में अवगत कराया। इसके बाद प्रोफेसर आर एस यादव संरक्षक यादव कल्याण सभा ने नवनिर्मित तीसरी लिफ्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डा. यशपाल, डा. राजकुमार, आनंद यादव, रामअवतार, प्रताप सिंह, दुलीचन्द, अमर सिंह, गोकल राम, राम सिंह, सभा के प्रवक्ता सतीश यादव, समय सिंह, सुरेंद्र सिंह, विजयपाल व लोकेश सहित अनेक कार्यकारिणी सदस्य मौजूद थे।

आईएएस अधिकारी बनने पर डा. विनायक का किया अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ⏭|रेवाड़ी

रेवाड़ी। विनायक का सम्मान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

रविवार को शिव कॉलोनी निवासी आनन्द कुमार वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी व राजस्थान सरकार में अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग के पुत्र डा. विनायक कुमार का आईएएस बनने पर सम्मान किया गया। विनयक ने अपने प्रथम प्रयास में यूपीएससी सिविल सर्विस की परीक्षा पास करके एससी वर्ग में 8वां तथा सामान्य वर्ग में 180वां स्थान प्राप्त किया था। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 स्थित एक प्रतिष्ठान में उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर विनायक कुमार ने बताया कि उनकी दादा स्व. होशयार सिंह व दादी स्वं मीना देवी का सपना था कि वह भी अपने पिता की तरह आईएएस अधिकारी बने। मां डा. आराधना प्रो. एसएमएस जयपुर व पिता ने विनायक का मार्गदर्शन किया। इस मौके पर पवन कुमार धनवाल पूर्व सदस्य एसपीएससी, डा. दीपक कुमार, ईश्वर सिंह, आरएस सांभरिया, जगदीश प्रसाद डहीनवाल, राकेश कुमार चीफ इंजीनियर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, राजकुमार जलवा, कांशीराम आचार्य, प्यारेलाल, एडवोकेट सूरत सिंह जड़ोदिया, रामसिंह, नरेश कुमार मित्तल, सूबेदार जसवंत सिंह, डॉ टीसी तंवर, डॉ विजय प्रकाश, लाला जग्गू, जुगनू, अभय सिंह डहीनवाल, बुद्ध प्रकाश, सुनील तंवर, पूर्व पार्षद इतेंद्र पाल, सतबीर सिंह कौल, अनिल कुमार, डा. अतर सिंह दहिया, बलवान सिंह, एडवोकेट विपिन पंवार, भूपसिंह, रामनारायण व रोहताश सावरिया उपस्थित थे।

भीषण गर्मी में छबील लगाकर बुझाई लोगों की प्यास

धारूहेड़ा। गर्मी को प्रकोप दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। भीषण गर्मी में लोगों को राहत देने के लिए सामाजिक संगठन सड़कों पर छबील लगाकर मीठा पानी पिला रहे है। रविवार को नंदरामपुर बास रोड के दुकानदारों ने छबील लगाकर राहगीरों को मीठे पानी पिलाया।

दुकानदारों ने मार्ग से गुजरने वाली बसों व अन्य वाहनों में लोगों का गला तर किया। दुकानदार अमित, सुभाष, मनीष, सल्लू व गुल्लू ने कहा कि भीषण गर्मी में लोगों की प्यास बुझाना पुण्य का कार्य है। समाजसेवियों को गर्मी में समय-समयपर ऐसे कार्य करते रहना चाहिए। पक्षियों के लिए भी दाना-पानी का प्रबंध करना चाहिए।

तीन अग्निकांड के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

रेवाड़ी। यंगमैन्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित स्वामी ने संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ संस्था कार्यालय में देश में हुए तीन अलग-अलग हुए अग्निकांड के दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी आत्मिक शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। स्वामी ने कहा कि गुजरात के राजकोट के टीआरपी गेम जोन में 30, दिल्ली के विवेक विहार के चाइल्ड केयर सेंटर में 7 बच्चों तथा दिल्ली के ही कृष्णा नगर के पार्किंग एरिये में 3 लोगों के जिंदा जलने की घटना हृदय विदारक व मन को झंझोड़ देने वाली घटना है। स्वामी ने गुजरात व दिल्ली की सरकार से हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की मांग की। इस अवसर पर ईश्वर पहलवान, रणबीर यादव, रविन्द्र सिंह, राहुल शर्मा, सोनू यादव, प्रतीक, पारस चौधरी, रविन्द्र शर्मा, सुरेश शर्मा, प्रवीण अग्रवाल, महेश गुप्ता, ललित गुप्ता, सुनील यादव, संजय सिंह, सचिन कुमार व रमेश उपस्थित थे।

सेमिनार आयोजित

गांव ऊंचा में ग्वार की पैदावार पर सेमिनार का आयोजन, विशेषज्ञों ने किसानों को दी महत्व पूर्ण जानकारी

उखेड़ा बीमारी से 20 से 45 प्रतिशत कम हो जाती है ग्वार फसल की पैदावार

हरिभूमि न्यूज ⏭|कुंड

रेवाड़ी। किसानों को ग्वार फसल की जानकारी देते विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

हिंदुस्तान गम एंड कैमिकल लिमिटेड की ओर से रविवार को गांव ऊंचा में ग्वार की अधिकतम पैदावार पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि हकृवि हिसार के पूर्व विस्तार निदेशक डा. एचडी यादव थे, जबकि ग्वार के विशेषज्ञ डा. बीडी यादव मुख्य वक्ता रहे। गोष्ठी में 65 किसानों ने हिस्सा लिया। किसानों को बीज उपचार के लिए 15 ग्राम बाविस्टिन प्रति एकड़ दवाई निःशुल्क दी गई। डा. एचडी यादव ने ग्वार फसल की पैदावार बढ़ाने, समय से पहले बिजाई न करने, उन्नत किस्मों का प्रयोग, बिजाई उचित समय पर करने व संतुलित खाद के प्रयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों को अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच कराकर ही बिजाई करने की सलाह दी। उन्होंने किसानों को खेत में गोबर की तैयार खाद डालने की भी सलाह दी।

दवाई खरीदते समय पक्का बिल लें

पवन कुमार ने कहा कि किसान विक्रेता से दवाई खरीदते समय पक्का बिल अवश्य लें तथा दवा की बोतल पर समाप्ति तिथि की जांच कर ले। उन्होंने किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा प्राकृतिक खेती के बारे में अवगत कराया। बीटी नरमा के फसल में लगने वाली गुलाबी सुंडी व इसके समाधान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बार-बार बाजरा बोने से खेत में जैविक कार्बन कम हो जाते है, जिससे खेत की उर्वरा शक्ति घट जाती है। किसानों को ग्वार को फसल चक्र में रखना चाहिए ताकि खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ सकें। उन्होंने बताया कि किसान ग्वार की बिजाई इसलिए नहीं करात,क्योंकि जानकारी के अभाव में पैदावार कम आती है। ग्वार की पूरी पैदावार लेने के लिए खेत में देशी खाद व 35 किलोग्राम डीएपी जरूर ड्रिल करना चाहिए।

जून के दूसरे पखवाड़े में करें ग्वार की बिजाई

भिवानी से ग्वार विशेषज्ञ डा. बीडी यादव ने कहा कि बिजाई के बाद की जड़ें व तना गल जाते है, जिससे पौधे मुर्झा कर सुख जाते है। उन्होंने बताया कि उखेड़ा बीमारी के जीवाणु जमीन में पनपते हैं व ग्वार के उगते हुए पौधों की जड़ों का काला कर देते हैं, जिससे पौधें जमीन से नमी व खुराक लेना बंद कर देते हैं। इस कारण पौधे मुरझाकर पीले होकर मर जाते हैं। उखेड़ा बीमारी के शुरूआती लक्षण पते पीले पड़ना है। उखेड़ा बीमारी से 20 से 45 प्रतिशत ग्वार की फसल की पैदावार कम हो जाती है। जड़गलन रोग का इलाज मात्र 15 रुपये के बीज उपचार से संभव है। डा. यादव ने बताया कि जड़गलन रोग के लिए सूखा बीज उपचार करना फायदेमंद, सस्ता व सरल उपाय है। डा. यादव ने किसानों को ग्वार की उन्नतशील किस्म एचजी 365, एचजी 563, एचजी 2-20 बोने की सलाह दी, यह किस्में 85 से 110 दिन की अवधि में पक जाती है। उन्होंने बताया कि ग्वार की बिजाई के लिए जून का दूसरा पखवाड़ा सबसे उचित है। उन्होंने बताया कि ग्वार की अच्छी पैदावार लेने के लिए 100 किलोग्राम सिंगल सुपरफास्फेट तथा 15 किलो यूरिया या 35 किलो डीएपी प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई के समय डाले। इस मौके पर गांव के सरपंच जरनैल सिंह, प्रधान ओमकार, अश्वनी कुमार, सुरेंद्र कुमार व पोहप सिंह सहित अनेक किसान मौजूद थे।